दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर|| वर्ष : 03 अंक:40 | ग्वालियर रविवार, 09 फरवरी 2020 पृष्ठः ८ मूल्यः २ रू.

नैनो न्यूज

प्रियंका और राबर्ट के साथ बेटे रेहान ने पहली बार किया मतदान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए सुबह 8 बजे से शुरु हुआ मतदान सायं छह बजे तक जारी रहा। इस दौरान अन्य लोगों के साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के साथ-साथ उनके बेटे रेहान राजीव वाड्रा ने भी जीवन में पहली बार मतदान किया। रेहान ने लोधी एस्टेट के बूथ संख्या 114 और 116 में अपना वोट डाला। रेहान ने वोट डालने के बाद खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेना एक अच्छा अहसास था। मैंने तरक्की के लिए वोट किया है। सभी को अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग करना चाहिए। मेरा मानना है कि सबको पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा हो और छात्रों के लिए इसमें सब्सिडी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि पिछली बार वह अपने मत का प्रयोग नहीं कर सके थे, क्योंकि उस समय उनकी परीक्षाएं चल रही थीं।

आईसीयू में है देश की अर्थव्यवस्था, मोदी सरकार गरीब विरोधीः चिदंबरम

हैदराबाद। पूर्व वित्तमंत्री पी चिदंबरम ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। हैदराबाद में शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान चिदंबरम ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था आईसीयू में है। यह सरकार गरीबों की विरोधी है। नोटबंदी ऐतिहासिक गलती थी। यह आजाद भारतका सबसे धोखा था। इसके कारण नौकरियों में कमी आई। छोटे और मझोले उद्योग तबाह हो गए। चिंदबरम ने कहा कि नोटबंदी की वजह से रोजगारों के अवसरों में भारी कमी आई। नौकरियां छिन गईं। उद्योग तबाह हुए। माइक्रो मीडियम इंडस्ट्री भी तबाह हो गई। मोदी सरकार की दूसरी बड़ी गलती जीएसटी रही है। सिंगल टैक्स का विचार अच्छा है, लेकिन मौजूदा जीएसटी सिंगल टैक्स नहीं है। इसके लिए अपनाई जाने वाली प्रणाली सही नहीं है। यह सबसे बड़ी गरीब विरोधी सरकार है। फैक्ट्री केवल 70 फीसदी काम कर पा रही हैं। प्लांट लोड फैक्टर केवल 45 फीसदी है। ऑटोमोबाइल इवेंट 50 फीसदी क्षमता के हिसाब के काम कर रहा है। पी चिदंबरम ने कहा कि ऐसे कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं जिससे यह विश्वास हो कि अर्थव्यवस्था सुधर रही है। वित्त मंत्री अर्थव्यवस्था की खराब हालात पर एक शब्द नहीं बोल रही हैं। फॉरेन रिजर्व गिरता चला जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण क्यों इस तथ्य को स्वीकार करने से इनकार कर रही हैं।पी चिदंबरम ने कहा कि सोचकर देखिए कि सीसीडी के मालिक वीजी सिद्धार्थ ने एक ब्रांड स्थापित किया, लेकिन टैक्स उत्पीड़न से तंग आकर उन्होंने खुदकुशी कर ली। डीआरआई, सीबीआई और कस्टम आईटी को असाधारण शक्ति मिल गई है। आईटी सेक्टर में कई काम को अपराध बताया गया है।

आप ने लगाएं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर पैसा बांटने का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर पैसा बांटने का आरोप लगा है। मामले में चुनाव आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारी से रिपोर्ट तलब की है। दरअसल, शुक्रवार रात को गिरिराज सिंह रिठाला में थे। इस दौरान गिरिराज सिंह पर आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने पैसा और शराब बांटने का आरोप लगाकर प्रदर्शन किया। संजय सिंह ने गिरिराज सिंह पर आरोप लगाकर कहा कि रिठाला में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह रुपये बांट रहे थे, जहां उन्हें लोगों ने पकड़ लिया। संजय सिंह ने इस संबंध में एक वीडियो भी जारी किया है। संजय सिंह ने दावा किया है कि रिठाला विधानसभा क्षेत्र में उन्हें पैसे बांटते देखा गया है। वीडियों में गिरिराज एक ज्वैलरी दुकान के अंदर दिख रहे हैं। वीडियों में यह साफ दिख रहा है कि लोग कह रहे हैं तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगा रहे हैं, इसके अलावा गिरिराज वापस जाओ के नारे लगा रहे थे। वहीं कुछ लोग काले कपड़े लहरा रहे थे।

एग्जिट पोल के औसत के अनुसार आम आदमी पार्टी की हैट्रिक, भाजपा बहुत पीछे

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनावों के एग्जिट पोल के औसत के अनुसार आम आदमी पार्टी को 51 सीटों पर जीत मिल सकती है, वहीं भाजपा के खाते में कुल 17 सीटें आने की संभावना है। इसके अलावा कांग्रेस की झोली में भी 2 सीटें मिल सकती हैं। रिपब्लिक टीवी के एग्जिट पोल की बात करें तो आम आदमी पार्टी के खाते में 48-61 सीटें जा सकती हैं वहीं बीजेपी के खाते में 9-21 सीटें जाने की संभावना है। टाइम्स नाउ के एग्जिट पोल के अनुसार दिल्ली की 70 सीटों में से आम आदमी पार्टी को 44 सीटें मिल सकती हैं जबकि बीजेपी को 26 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं टीवी 9 भारतवर्ष-सिसेरो के एग्जिट पोल के अनुसार आम आदमी पार्टी 54 सीटें जीत सकती है जबकि बीजेपी को 15 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में 55 फीसदी वोटिंग, महिलाएं रहीं आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2020 की 70 विधानसभाओं पर मतदान के लिए शाम 6 बजे तक 55 फीसद से ज्यादा मतदान हुआ है। हालांकि लाइन में लगे हुए वोटरों को उनके मताधिकार का प्रयोग करने दिया जा रहा है। ऐसे में वोटिंग के अंतिम आंकड़े आने में अभी थोड़ा वक्त लग सकता है। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार इस बार सुबह 8 बजे मतदान शुरू हुआ था। दिल्ली के मतदाताओं ने चुनाव दर चुनाव अधिकतम वोटिंग का रिकॉर्ड तोड़ा है। दिल्ली विधानसभा के पिछले 6 चुनावों पर नजर डालें तो केवल एक बार दिल्ली में मतदान प्रतिशत में गिरावट आई है। इसके बाद हर बार विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ा है। इस बार मतदान प्रतिशत बढ़ाने में केवल पुरुष मतदाता ही नहीं महिला मतदाताओं की भी अहम भूमिका रही है। दोपहर 3 बजे तक दिल्ली में 41 फीसद से ज्यादा मतदान हुआ था। शाम 4 बजे तक करीब 42 फीसद मतदान हुआ था। इसके बाद मतदान ने रफ्तार पकड़ी और शाम 5ः25 बजे तक 51 फीसद से ज्यादा मतदान हो चुका था। अभी भी ज्यादातर मतदान केंद्रों पर वोटरों की लंबी लाइनें देखी जा रही हैं।

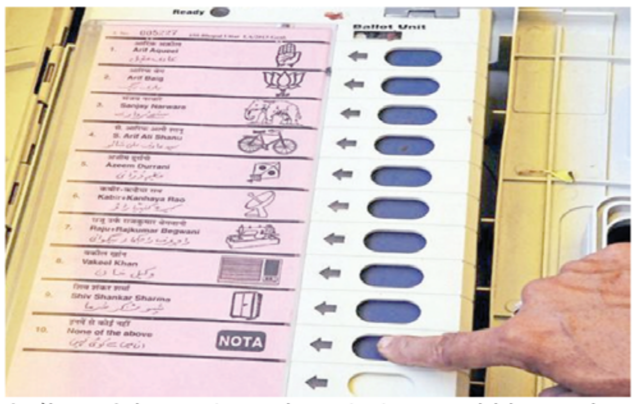

कुछ जगहों पर ईवीएम में आई खराबी

कुछ जगहों पर ईवीएम में खराबी के चलते लोग जरूर परेशान दिखे। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के सरकार पटेल विद्यालय के बूथ नंबर 114 पर इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन काम नहीं कर रही है। यमुना विहार से भी कुछ ऐसी ही खबर आई है। यहां के सी-10 ब्लॉक में ईवीएम में गड़बड़ी सामने आई। जिसके बाद चुनाव आयोग की टेक्निकल टीम मौके पर पहुंची। रोहताश नगर विधानसभा क्षेत्र के पंचशील पार्क निगम स्कूल में ईवीएम मशीन में तकनीकी खराबी के कारण वोटिंग करीब पौना घंटे की देरी से शुरू हुई। जिस कारण मतदाताओं की लंबी कतारें लगी रही।

सुबह से ही लगी रही लंबी लाइनें

सुबह से ही मतदान केंद्रों पर वोटरों की भारी भीड़ लगी हुई है। हालांकि दोपहर के बाद वोटरों की संख्या कुछ कमी हुई है। दोपहर तीन बजे तक वर्ष 2015 के मुकाबले इस बार 9 फीसद कम हुआ था। इसकी वजह दिल्ली विधानसभा चुनाव में पहली बार प्रयोग होने वाली क्यूआर कोड वाली मतदान पर्चियों को भी माना जा रहा है। इसकी वजह से कई मतदान केंद्रों पर वोटिंग प्रक्रिया की रफ्तार सामान्य से धीमी बताई जा रही है। ऐसे में चुनाव आयोग द्वारा इस बार के मतदान का आधिकारिक आंकड़ा आने में देर शाम 7 बजे तक का समय लग सकता है। इसके बाद ही पता चल सकेगा इस बार अधिकतम मतदान का रिकॉर्ड टूटा या नहीं।

नेताओं ने सबसे पहले डाले वोट

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और उनकी पत्नी सविता कोविंद ने राष्ट्रपति भवन के डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय में अपना वोट डाला। कांग्रेस अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी औरंगजेब लेन के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। वही पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और उनकी पत्नी गुरशरण सिंह ने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के निर्वाण भवन में अपना वोट डाला। दिल्ली के सबसे पुरानी मतदाता 110-वर्षीय कलितारा मंडल ने ग्रेटर कैलाश विधानसभा क्षेत्र के एसडीएमसी प्राइमरी स्कूल, चित्तरंजन पार्क में अपना वोट डाला है।वही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, एलजी अनिल बैजल, मनीष सिसोदिया समेत कई दिग्गजों ने वोट डाला।

ऐसे बढ़ा दिल्ली का मतदान प्रतिशत

दिल्ली विधानसभा के पिछले 6 चुनावों में हर बार मतदान का प्रतिशत बढ़ा है। वर्ष 1993 में दिल्ली कुल 58,50,545 मतदाता थे। इनमें से 61.75 फीसद मतलब 36,12,713 वोटरों ने मतदान किया था। इसके बाद वर्ष 1998 के चुनाव में दिल्ली में कुल 84,20,141 मतदाता थे। इस साल पहली बार दिल्ली का मतदान प्रतिशत घटकर 48.99 फीसद हो गया और महज 41,24,986 लोगों ने मतदान किया था। हालांकि इसके बाद दिल्ली के वोटरों ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और हर बार अधिकतम मतदान का नया रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद 2003 में 53.42 फीसद, 2008 में 57.58 फीसद, 2013 में 65.63 फीसद और वर्ष 2015 में दिल्ली में 67.12 फीसद मतदान हुआ था।

मतदान में नही किया मतभेद

बताया जा रहा है कि किसी भी चुनाव में महिलाओं और पुरुषों के मतदान फीसद में काफी अंतर रहता है, लेकिन दिलवालों की दिल्ली में ऐसा नहीं है। यहां महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों संग कंधा से कंधा मिलाकर खड़ी रही हैं। पिछले छह दिल्ली चुनावों के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि महिलाओं ने लगभग पुरुषों के बराबर मतदान किया है। आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली का मतदाता मतदान में किसी तरह का लिंग भेद करने पर विश्वास नहीं रखता है।

कठुआ सामूहिक बलात्कार और हत्याकांड के मामले मेंकिशोर न्याय बोर्ड में सुनवाई पर रोक

नई दिल्ली। कठुआ सामूहिक बलात्कार और हत्याकांड के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कथित रूप से शामिल एक नाबालिग के खिलाफ किशोर न्याय बोर्ड में सुनवाई पर शुक्रवार को रोक लगा दी। जस्टिस एन वी रमना, जस्टिस अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमण्यम की पीठ ने सुनवाई स्थगित कर दी। क्योंकि जम्मू कश्मीर प्रशासन ने दावा किया कि जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय ने उसे वर्ष 2018 में अपराध के समय किशोर ठहराने के निचली अदालत के आदेश को गलती से स्वीकार कर लिया। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील पी एस पाटवालिया की दलीलें तथा स्थगन के वास्ते दिए गए आवेदन में कही गई बातों पर गौर करने के बाद हम आदेश देते हैं कि कठुआ में किशोर न्याय बोर्ड में....(मामले में) आगे की सुनवाई स्थगित रहेगी।दरअसल प्रशासन की ओर से पेश पाटवालिया ने कहा कि हाईकोर्ट ने नगर निगम और स्कूल के रिकार्ड में दर्ज जन्मतिथि में विरोधाभासों पर गौर किए बगैर ही निचली अदालत के 27 मार्च, 2018 के आदेश को 11 अक्टूबर, 2019 को गलती से स्वीकार कर लिया। शीर्ष अदालत ने सात मई, 2018 को इस मामले की सुनवाई कठुआ से पंजाब के पठानकोट में स्थानांतरित कर दी थी और रोजाना सुनवाई का आदेश दिया था। उससे पहले कुछ वकीलों ने अपराध शाखा के अधिकारियों को कठुआ में इस मामले में आरोपपत्र दायर नहीं करने दिया था।

भारत पेट्रोलियम ने कोच्चि बंदरगाह से कम सल्फर वाले ईंधन का निर्यात किया आरंभ

कोच्चि। भारत की सरकारी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी भारत पेट्रोलियम ने कोच्चि बंदरगाह से सिंगापुर को बहुत कम सल्फर वाले फर्नेस आयल (वीएलएसएफओ) का निर्यात शुरूकर दिया है इसका इस्तेमाल स्टीम बायलर, समुद्री जहाजों में ईंधन के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

बताया गया है कि यह ईंधन अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन (आईएमओ) के 2020 के मानकों के अनुरूप है। भारत पेट्रोलियम देश से इस तरह के ईंधन का निर्यात करने वाली पहली कंपनी बन गई है। भारत पेट्रोलियम ने शनिवार को यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि शुक्रवार को एमटी एल्निक एमसी नाम का टैंकर 15 हजार टन वीएलएसएफओ लेकर कोचीन बंदरगाह से रवाना हुआ। कोचीन बंदरगाह न्यास के चेयरपर्सन एम. बीनाफ्रॉम ने इसे हरी झंडी दिखाकर सिंगापुर रवाना किया। आईएमओ ने समुद्री गतिविधियों से सामुद्रिक पर्यावरण के बचाव के लिए नियमों को कड़ा बनाया है। इससे समुद्र ईंधन के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आ रहे हैं। यह नए नियम एक जनवरी 2020 से प्रभावी हो गए हैं। नए मानकों के हिसाब से ईंधन में सल्फर की मात्रा साढ़े तीन प्रतिशत से घटाकर आधा प्रतिशत तय कर दी गयी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्रीलंका के डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट रिपब्लिक के प्रधान मंत्री महिंदा राजपक्षे नई दिल्ली में शनिवार को हैदराबाद हाउस में संयुक्त प्रेस को संबोधित करते हुए।

श्रीलंका पीएम राजपक्षे 4 दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे, पीएम मोदी के साथ की बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे 4 दिवसीय राजकीय यात्रा पर भारत पहुंचे है। उन्होंने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की।राजपक्षे की इस यात्रा के दौरान दोनों अहम मुद्दों पर बातचीत करेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने ट्वीट किया, '' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे का पदभार संभालने के बाद पहली विदेश यात्रा पर भारत आगमन पर गर्मजोशी भरा स्वागत। उन्होंने कहा कि शीर्ष स्तर पर सतत आदान प्रदान भारत..श्रीलंका संबंधों को ऊर्जा प्रदान करना जारी रखेंगे। श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे 7 से 11 फरवरी तक भारत की यात्रा पर रहेंगे और इस दौरान वे दोनों देशों के संबंधों के विविध आयामों पर व्यापक चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे का सरकारी कार्यक्रम 8 फरवरी से शुरू होगा। उनके साथ एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल भी आ रहा है। राजपक्षे अपनी यात्रा के दौरान यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ शिष्टमंडल स्तर की बैठक करेंगे। वे अपनी यात्रा के दौरान वाराणसी, सारनाथ, बोधगया और तिरुपति भी जायेंगे। महिंदा राजपक्षे यहां राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भी मिलेंगे । विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ भी उनकी बैठक होगी। उप-क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लक्ष्य के साथ दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच रक्षा एवं समुद्री सुरक्षा पहलों के तहत अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। इन पहलों में श्रीलंका-भारत वार्षिक रक्षा वार्ता और भारत एवं मालदीव के साथ त्रिपक्षीय समुद्री सुरक्षा सहयोग शामिल है।

तबादलों पर स्टे रोकने के लिये केवीएट दायर करेंगे

इंदौर/मध्यप्रदेश शासन गृह (पुलिस) विभाग द्वारा मध्यप्रदेश के जिलों में पदस्थ अति. पुलिस अधीक्षक एवं उप पुलिस अधीक्षकों के स्तर के अधिकारियों के स्थानांतरित आदेश जारी किये गये थे। इन आदेशों के विरुद्ध कतिपय स्थानान्तरित अति पुलिस अधीक्षक एवं उप पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों के द्वारा उच्च न्यायायल मध्य प्रदेश से स्थगन प्राप्त किये जाने की संभावना को देखते हुये पुलिस मुख्यालय द्वारा उच्च न्यायालय जबलपूर सहित खण्डपीठ इन्दौर व ग्वालियर में केवीएट दायर करने के आदेश दिये गये है। इन्दौर खण्डपीठ में केवीएट दायर करने के लिये उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) जिला इन्दौर को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है जिनके द्वारा उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर में केवीएट दायर की जायेगी ।

गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं के वंचित पात्र सदस्यों को भूखण्ड दिलाने के निर्देश

सहकारिता मंत्री डॉ. गोविन्द सिंह ने उज्जैन में की समीक्षा

उज्जैन(अर्पित गुप्ता)सहकारिता मंत्री डॉ. गोविन्द सिंह ने भूमाफिया के खिलाफ कार्यवाही में ढिलाई बरतने की शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सहकारिता विभाग एवं सहकारी बैंकों के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि आगामी एक माह में सभी कार्यवाही पूर्ण करते हुए शिकायतकर्ता पात्र व्यक्तियों को गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं से प्लाट आवंटित करवाए जाएं। प्लाट आवंटन के प्रपत्र उन्हें समारोहपूर्वक सौंपे जायेंगे। डॉ. गोविन्द सिंह उज्जैन में सहकारिता विभाग एवं सहकारी बैंकों के अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री डॉ. सिंह ने सहकारिता अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपनी और विभाग की छवि सुधारें। उन्होंने कहा कि सहकारिता आन्दोलन किसानों के हित में है। श्री सिंह ने कहा कि केरल जैसे प्रदेशों में सहकारी सोसायटियाँ ऋण देने के अलावा भी अनेक सामाजिक कार्य कर रही हैं। इस दिशा में हमें भी सोचना चाहिये। उन्होंने इन्दौर एवं उज्जैन संभाग के सहकारी बैंकों के काम-काज एवं लाभ-हानि की समीक्षा की। बैठक में आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं श्री एम.के. अग्रवाल, प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक के श्री प्रदीप नीखरा, अपर पंजीयक श्री आरसी घिया, सहकारिता विभाग के सभी जिलों के उपायुक्त एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मौजूद थे।

जांच में ढिलाई हुई तो अनिवार्य सेवानिवृत्ति-मंत्री डॉ. गोविन्द सिंह ने समीक्षा के दौरान कहा कि उन गृह निर्माण संस्थाओं के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाये, जिन्होंने अब तक सदस्यों को भूखण्ड नहीं दिये हैं और नये सदस्य बनाकर उनको भूखण्ड आवंटित कर दिये हैं। डॉ. सिंह ने अधिकारियों से कहा कि यदि उन्होंने गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं के विरूद्ध जांच में ढिलाई बरती, तो अनिवार्य सेवा निवृत्ति के प्रकरण तैयार किये जायेंगे। उन्होंने उज्जैन शहर के लिये संयुक्त आयुक्त उपायुक्त, उज्जैन विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं ऑडिट आफिसर की एक समिति बनाने के निर्देश दिये हैं। यह समिति आगामी 15 दिनों में सभी शिकायतों की जांच कर पात्र व्यक्तियों को भूखण्ड दिलवाने की कार्यवाही करेगी।

तानाशाही की कीमत चुकाता चीन

- निकोलस क्रिस्टॉफ

बीते कुछ समय में चीन ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, उससे चीनी नेताओं का कद बहुत ऊंचा दिखाई पड़ता है। भारीभरकम राजनीतिक एवं आर्थिक शक्ति पर सवार होकर चीनियों ने एक अद्भुत संसार रचा है। चीन में साप्ताहिक दर से एक नया विश्वविद्यालय तैयार हो रहा है। बीते तीन वर्षों में वह इतना सीमेंट इस्तेमाल कर चुका है, जितने सीमेंट की खपत अमेरिका में पूरी बीसवीं शताब्दी के दौरान नहीं हो पाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को %उम्दा नेता बता चुके हैं। माइकल ब्लूमबर्ग भी कह चुके हैं कि %शी कोई तानाशाह नहीं हैं, लेकिन हमें शी के तानाशाही भरे रवैये का चीन और शेष विश्व के लिए खतरा स्पष्ट रूप से दिख रहा है।

इसमें ताजा उदाहरण है कोरोना वायरस का। इस वायरस की पहली दस्तक चीनी शहर वुहान में एक दिसंबर को ही दर्ज हो गई थी। दिसंबर खत्म होते-होते वुहान के स्वास्थ्य गलियारों में इस बीमारी को लेकर खतरे की घंटी बजने लगी थी। यह वह दौर था, जब संबंधित विभाग को इससे निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई की पहल करनी चाहिए थी। उसने निर्णायक कार्रवाई अवश्य की, लेकिन इस वायरस के खिलाफ नहीं, बल्कि उन लोगों के खिलाफ जो इस चुनौती के खिलाफ जन-जागरूकता का बिगुल बजा रहे थे। चीन में इस्तेमाल होने वाले वॉट्सएप सरीखे एप %वी चैट पर इस बीमारी को लेकर जानकारी दे रहे एक डॉक्टर पर कम्युनिस्ट पार्टी ने कार्रवाई की। उन्हें मजबूर किया गया कि इस %गलती के लिए वह माफी मांगें। इस महामारी को लेकर %अफवाह फैलाने वाले उनके जैसे आठ डॉक्टरों को पुलिस ने जरूरी %शिक्षा देकर %सीधा किया। बेहतर होता कि शी ने ऐसे डॉक्टरों को प्रताड़ित करने के बजाय उनकी बातों को ध्यान से सुना होता।

चीन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को कोरोना वायरस की जानकारी तो 31 दिसंबर को ही दे दी, परंतु अपने नागरिकों को अंधेरे में रखा। दूसरे देश संक्रमण को लेकर शिकायत करते रहे, लेकिन चीन कहता रहा कि इसका प्रकोप केवल वुहान तक सीमित है।

शुरुआत में वुहान के मेयर इस मसले पर बोलने से कन्नी काटते रहे। लोगों ने भी कोई एहतियात नहीं बरती। आखिरकार जब हालात नियंत्रण से बाहर हो गए, तब जाकर सरकार हरकत में आई और उसने 23 जनवरी को वुहान को पूरी तरह बंद करने का फैसला किया। इससे लोग शहर में एक तरह से बंधक बन गए। मेयर के अनुसार पचास लाख लोग इससे पहले ही शहर छोड़कर जा चुके थे। पहले-पहल चीनी प्रशासन इस महामारी पर पर्दा डाले हुए था तो अस्पताल भी पर्याप्त रूप से तैयार नहीं थे। अब तो वहां मास्क, प्रोटेक्टिव गियर और परीक्षण किट तक की किल्लत हो गई है। कुछ डॉक्टरों का काम तो प्लास्टिक फोल्डर से चश्मे बनाने तक सीमित हो गया है। शुरुआती स्तर पर इसे छिपाने में इसलिए भी सफलता मिल सकी कि शी के शासन के दौरान चीन में पत्रकारिता, सोशल मीडिया, गैर-सरकारी संस्थाओं और विधिक मामलों जैसी उन संस्थाओं का पराभव ही हुआ, जो एक किस्म की जवाबदेही तय करने का काम करती हैं। हालांकि चीन में इन संस्थाओं की सेहत कभी भी अच्छी नहीं रही, लेकिन शी के आगमन से पहले स्थिति इतनी खराब नहीं थी। इस मामले में मेरा खुद का अनुभव रहा है। एक प्रयोग के सिलसिले में मैं वर्ष 2003 तक चीनी ब्लॉग्स की थाह लेता रहा, लेकिन उसके बाद मुझे कुछ नहीं मिल सका। नागरिक समाज और किसी भी प्रकार की आजादी का गला दबाते हुए शी ने चीन को और गहरे अंधियारे दौर में धकेल दिया है।

शी की बढ़ती तानाशाही के चलते ही चीन कोरोना वायरस को लेकर मात खा गया। इससे पहले वर्ष 2018 में वह स्वाइन फ्लू से भी ढंग से नहीं निपट पाया। इसने चीन के सुअर मांस उद्योग को तहस-नहस कर दिया, जिसके कारण दुनिया को एक चौथाई सुअर मारने पड़े। तानाशाह अक्सर खराब निर्णय करते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि उन तक सही सूचनाएं नहीं पहुंच पातीं। जब आप स्वतंत्र आवाजों को दबा देते हैं, तब आपको अपने इर्द-गिर्द जमा चौकड़ी से खुशामद और चापलूसी के अलावा कुछ और नहीं मिलता। कई वरिष्ठ चीनी अधिकारियों ने मुझे बताया कि स्थानीय अधिकारियों से मेल-मुलाकात को लेकर वह कैसे अक्सर झूठ बोलते हैं। इससे जमीनी हकीकत का सही अंदाजा नहीं मिल पाता। शी ने सिलसिलेवार कई गलतियां की हैं। वह हांगकांग में उत्पन्न् राजनीतिक संकट को सही ढंग से नहीं संभाल पाए। ताइवान की राष्ट्रपति जैसी अपनी मुखर विरोधी की अनजाने में ही सही, दोबारा ताजपोशी की राह आसान बना दी। साथ ही उनके दौर में अमेरिका सहित तमाम देशों के साथ चीन के संबंध भी लगातार तल्ख होते गए। कोरोना वायरस पहले ही चीन के सुदूर पश्चिमी प्रांत शिनझियांग तक पहुंच गया है। इससे यह जोखिम भी बढ़ गया है कि यह उन तकरीबन दस लाख उइगर मुसलमानों को भी अपने चपेट में ले सकता है, जिन्हें ऐसे प्रताड़ना केंद्रों में रखा गया है, जहां साफ-सफाई और स्वास्थ्य सेवाएं बेहद सीमित हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि वायरस किसी भी देश के लिए बड़ी चुनौती होते हैं और इस मामले में चीन को शाबासी देनी भी बनती है कि उसने खसरा जैसी बीमारियों की रोकथाम के मामले में अमेरिका से बेहतर काम किया है। चीन के तंत्र को इसका श्रेय दिया जाना चाहिए कि आज बीजिंग में जन्मे बच्चे की जीवन प्रत्याशा वाशिंगटन में जन्मे शिशु से अधिक होती है। जीवन प्रत्याशा के मामले में अमेरिका की स्थिति कंबोडिया और बांग्लादेश से भी लचर है। ऐसे में अमेरिका किसी भी मुल्क को स्वास्थ्य पर भाषण देने की स्थिति में नहीं है। इसके बावजूद यदि कोई अमेरिकी विनम्रता के आग्रह से ही सही, शी के अधिनायकवादी शासन की प्रशंसा करे तो उसे भी तवज्जो नहीं दी जानी चाहिए। चीन का सामाजिक समीकरण यही है कि वहां आपको सरकार चुनने का अधिकार नहीं, अलबत्ता धीरे-धीरे ही सही जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। हालांकि चीनी अर्थव्यवस्था भी इस वक्त सुस्ती का शिकार होकर तीन दशक की सबसे तेज गिरावट वाले मोड़ पर है और कोरोना वायरस के कोप से वह और सिकुड़ सकती है। शी अपने वादों पर भी खरे नहीं उतर पा रहे हैं, जिससे चीनी नागरिक उनसे कुपित होने लगे हैं। इसकी पुष्टि उन चीनी सोशल मीडिया मंचों से होती है, जिन्हें सेंसर करने की भरसक कोशिशों के बावजूद वहां से छनकर कुछ बातें सामने आ ही जाती हैं। मुझे नहीं पता कि अपने कुशासन के चलते शी किसी राजनीति संकट में हैं या नहीं, लेकिन उन्हें इसकी तपिश अवश्य झेलनी चाहिए।

संपादकीय

असंसदीय आचरण

लोकसभा में सत्तापक्ष और विपक्ष के सांसदों के बीच हाथापाई की नौबत आने से एक तरह से संसद की गरिमा पर ही हमला हुआ। राहुल गांधी के एक सवाल का जवाब देने के पहले स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने यदि उनके प्रधानमंत्री पर डंडे पड़ने वाले बयान की निंदा करनी शुरू कर दी तो कांग्रेसी सांसदों को इतना तैश में आने की आखिर क्या जरूरत थी कि वह मारपीट करने पर आमादा हो जाते? निन्संदेह स्वास्थ्य मंत्री को राहुल गांधी के सवाल का जवाब देने तक सीमित रहना चाहिए था, लेकिन अगर उन्होंने उनके अभद्र बयान की निंदा करनी शुरू कर दी तो कोई अपराध नहीं किया।

कांग्रेस को इस पर शर्मिंदा होना चाहिए कि उसके सांसद मनिकम टैगौर स्वास्थ्य मंत्री पर हमला करने के लिए झपटे। यदि भाजपा सांसद उन्हें रोकते नहीं तो शायद वह उनसे हाथापाई कर बैठते। आखिर मनिकम टैगौर और अन्य कांग्रेसी सांसद यह क्यों चाह रहे थे कि राहुल गांधी के अभद्र बयान की चर्चा न हो? जो भी हो, यह पहली बार नहीं जब राहुल ने प्रधानमंत्री के खिलाफ बोलते हुए शालीनता को ताक पर रखा हो। हकीकत यह है कि वह उनके खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल कुछ ज्यादा ही करने लगे हैं, जो किसी भी नेता को शोभा नहीं देती। मोदी पर डंडे पड़ेंगे, इससे अभद्र है राहुल की ओर से प्रधानमंत्री के लिए जाता है, भाषण देता है जैसी शब्दावली का इस्तेमाल करना। ऐसी अवांछित भाषा का इस्तेमाल करके राहुल खुद की ही प्रतिष्ठा से खेल रहे हैं। यह सही है कि अपने देश में संसद के भीतर-बाहर भाषा की मर्यादा का उल्लंघन करने वाले नेताओं की कमी नहीं, लेकिन शायद राहुल यह समझने को तैयार नहीं कि राजनीति की अपनी एक भाषा होती है। कांग्रेसी सांसदों का आपे से बाहर होना तो यही बताता है कि उन्हें अपने नेता की ओछी भाषा से कोई परेशानी नहीं। इस पर हैरानी नहीं कि कांग्रेस हाथापाई करने उतरे अपने सांसद की आलोचना करने के बजाय यह कहना पंसद कर रही है कि उसे सदन में बोलने से रोका जा रहा है।वास्तव में यह एक नया चलन है कि सांसद पहले सदन में असंसदीय आचरण करते हैं और फिर कार्रवाई से बचने के लिए खुद को पीड़ित के रूप में पेश करने लगते हैं। यह किसी छिपा नहीं कि जब कभी असंसदीय आचरण करने वाले सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है तो उनकी ओर से यह माहौल बनाया जाता है कि उनके बोलने के अधिकार पर अंकुश लगाया जा रहा है। सच यह है कि बोलने के अधिकार के नाम पर अनाप-शनाप बोलने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। चिंता की बात यह है कि संसद में भी यह प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।

समरसता के राम

केंद्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट बनाने की घोषणा के साथ ही राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। नौ नवंबर को देश?की शीर्ष अदालत की पांच सदस्यीय बेंच ने सर्वसम्मति से विवादित जमीन पर रामलला का हक माना था। साथ?ही मुस्लिम पक्ष को पांच एकड़ जमीन अयोध्या में उपलब्ध?कराने को कहा था। अब केंद्र सरकार ने 'श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' नाम से ट्रस्ट बनाने की घोषणा के बाद इसके सदस्यों की घोषणा कर दी है। अभी इसमें उ.प्र. सरकार और केंद्र सरकार के प्रतिनिधि भी शामिल किये जाने हैं। निन्संदेह अब जब अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की राह खुल गई है तो हम सबका दायित्व बनता है कि हमारा लक्ष्य भव्य राम मंदिर के निर्माण के साथ ही देश?में अतीत की कटुता को दूर करने का हो। श्रीराम जिन जीवन मूल्यों के लिये जाने जाते हैं, उनका अनुसरण करके राष्ट्रीय एकता, अखंडता व समरसता का मार्ग प्रशस्त किया जाये। हमें नहीं भूलना चाहिए कि बीसवीं सदी से चले आ रहे विवाद ने देश के सामाजिक सद्?भाव व सांप्रदायिक सौहार्द को भारी क्षति पहुंचायी है। छह दिसंबर 1992 को विवादित ढांचे को गिराये जाने और उसके बाद हुई घटनाओं को बिसार कर हमें 21वीं सदी के भारत को समृद्ध करना चाहिए। ट्रस्ट निर्माण के बाद सरकार की भूमिका को विराम दिया जाना चाहिए और ट्रस्ट को कोशिश करनी चाहिए कि मंदिर निर्माण की प्रक्रिया में राजनीतिक लाभ-हानि की बात न हो। मंदिर निर्माण को राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक के रूप में देखा जाना चाहिए। साथ?ही पांच एकड़ पर बनने वाली मस्जिद के निर्माण में भी हमें सहयोग देना चाहिए ताकि पूरी दुनिया में संदेश जाये कि राम समरसता के प्रतीक हैं, संकुचित सरोकारों के नहीं। निन्संदेह, इस बात के लिये भारतीय जनमानस की मुक्तकंठ?से सराहना की जानी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट के नौ नवंबर को सर्वसम्मति से दिये गये फैसले को पूरे देश ने शिरोधार्य किया। वह भी ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया की निगाह भारत की ओर लगी थी। आज ऐसे वक्त में जब राजनेताओं द्वारा कई मुद्दों को हवा देकर ध्रुवीकरण के प्रयास किये जा रहे हैं, ट्रस्ट की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

राजनीति में जन हस्तक्षेप की तार्किकता

विश्वनाथ सचदेव

नौ साल की बच्ची की मां नजूमुन्निसा 'देशद्रोह' के आरोप में बीदर की जिला जेल में बंद है। उसके किसान पति का सात साल पहले देहांत हो गया था, तब वह अपनी बेटी को लेकर गांव से बीदर आ गयी थी और घरों में सहायक की तरह काम करके अपनी बेटी को पढ़ा रही है। पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली उसकी बेटी ने कुछ दिन पहले स्कूल में बच्चों द्वारा खेले गये नाटक में कुछ ऐसा बोल दिया जो कुछ लोगों को नागवार गुज़रा। दरअसल स्कूल में यह नाटक बच्चों को नागरिकता संशोधन कानून की जानकारी देने के लिए खेला गया था। इसी नाटक में वह नौ साल की बच्ची एक डायलॉग बोलती है, जिसमें वह कहती है कि अगर किसी ने उससे दस्तावेज मांगे तो वह उसे जूते मारेगी।

नाटक में जूते मारने वाली यह बात तीन बार दोहरायी गयी है और बच्ची ने पुलिस को बताया कि यह डायलॉग उसे मां ने याद करवाया था। किसी दर्शक की शिकायत पर इस बात को देशद्रोह मान लिया गया और पुलिस ने बच्ची की मां को दोषी ठहराकर जेल में डाल दिया! 'सबूत' के रूप में पुलिस के पास वह सैंडल भी है जो नौ साल की बच्ची ने नाटक में हाथ में लेकर दिखाया था। यह समाचार जब मैंने अखबार में पढ़ा तो मुझे अनायास हंसी आ गयी थी। तरस भी आया उनकी बुद्धि पर जिन्हें नौ साल की बच्ची का वह डायलॉग देशद्रोह लगा।

पर अब मुझे लग रहा है, बात हंसी और तरस से कहीं आगे, बहुत आगे जाती है। मेरे सामने वह समाचार भी है, जिसमें एक सांसद राजधानी दिल्ली की एक चुनावी सभा में शाहीन बाग में नागरिकता कानून का विरोध करने वालों को 'गद्दार' कहकर उन्हें गोली मारने की बात कहता है। मंच से नारे लगवाता है कि 'देश के गद्दारों को, गोली मारोज को'। चुनाव-आयोग में जब इस भड़काऊ आचरण की शिकायत पहुंचती है तो संबंधित सांसद को छत्तीस घंटे तक चुनाव-प्रचार न करने का दंड सुनाया जाता है! ज्ञातव्य है कि सांसद महोदय के इस भाषण और नारेबाजी के बाद शाहीन बाग इलाके में गोली चलाने की तीन घटनाएं हो चुकी हैं! क्या देश के नागरिकों को इस तरह भड़काना देशद्रोह नहीं है?

बीदर की नौ साल की बच्ची ने तो सिर्फ जूते मारने की बात कही थी, हमारे माननीय सांसद महोदय तो गोली मारने की बात कह रहे हैं। एक केंद्रीय मंत्री का कहना है कि चुनाव आयोग ने छत्तीस घंटे तक चुनाव-प्रचार करने पर रोक लगाकर सांसद को सज़ा दे दी है! सवाल उठता है कि यदि नौ साल की बच्ची की 'जूते मारने' वाली बात देशद्रोह मानी जा सकती है तो गोली मारने की बात कहने वाले सांसद महोदय को 'देशद्रोह' के आरोप में सज़ा क्यों नहीं? कथित अपराध करने वाली बच्ची की मां यदि जेल में है तो वह जेल में क्यों नहीं है, जिसने सांसद महोदय को भड़काऊ नारा लगवाने की प्रेरणा दी? मज़े की बात तो यह है कि उस सांसद को चेतावनी देने के बजाय सत्तारूढ़ दल ने संसद में नागरिकता कानून के संदर्भ में हो रही बहस की शुरुआत करने का अवसर दिया!

बहरहाल, बात बीदर की बच्ची या भाजपा के सांसद की ही नहीं है। उम्मीद की जानी चाहिए कि बच्ची की मां को आरोपी बनाने वाली पुलिस को अपनी ग़लती समझ में आ जायेगी। पर सवाल देश की राजनीति चलाने वालों की समझ का है। राजनीति का जो स्तर आज देश में दिख रहा है, और जिस तरह की भाषा का उपयोग हमारे नेता कर रहे हैं, उसे देखकर शर्म भी आती है, और गुस्सा भी। राजनीति में भाषा का यह अवमूल्यन कुछ व्यक्तियों और कुछ दलों तक ही सीमित नहीं है। हमारे राजनेताओं ने यह मान लिया है कि राजनीति के खेल में वे कुछ भी कर सकते हैं, कुछ भी बोल सकते हैं। सब कुछ क्षम्य है उनके लिए। अपने राजनीतिक विरोधी पर किसी भी तरह का आरोप लगाने में हमारे नेताओं को कोई संकोच नहीं होता। जैसे, देशद्रोह एक बहुत ही गंभीर अपराध है, और देशद्रोही को सज़ा मिलनी ही चाहिए। पर ज़रा सोचिए, आज तक ऐसे कितने लोगों को सज़ा मिली है जिन पर देशद्रोह के आरोप लगे हैं? सवाल यह भी उठता है कि यदि किसी पर लगाया गया देशद्रोह का आरोप ग़लत सिद्ध होता है तो झूठा आरोप लगाने के लिए कितने लोगों को सज़ा मिली है? किसी एक को भी नहीं! मान लिया गया है कि इस तरह आरोप लगाना राजनीतिक दांव-पेंच का हिस्सा है और राजनीति में सब कुछ माफ होता है। नहीं, सब कुछ माफ नहीं होता। होना भी नहीं चाहिए। घटिया भाषा, झूठे आरोप, भड़काऊ नारेबाज़ी आदि सब अपराध है। कानून के शासन में विश्वास करने वाली व्यवस्था में अपराधी को सज़ा मिलनी ही चाहिए। बिना प्रमाण के किसी को गद्दार घोषित कर देना, देशद्रोही बताना, किसी को अर्बन नक्सली की 'उपाधि' दे देना, किसी को आतंकवादी कह देना एक गंभीर अपराध माना जाना चाहिए और अपराधी को दंड मिलना ही चाहिए। कोई व्यवस्था ऐसी भी होनी चाहिए कि झूठे आरोप लगाने वाले को ऐसा करने में कुछ डर लगे। पर हमारे यहां तो किसी मुख्यमंत्री को यह कहने में भी संकोच नहीं होता कि 'बोली से नहीं माने तो गोली से मानेंगे।' राजनीति अपने आप में एक 'घटिया खेल' मानी जाती है और कुछ लोग तो इसे 'बदमाशों की अंतिम शरणगाह' भी कहते हैं। लेकिन, आज राजनीति हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जनतांत्रिक व्यवस्था में हम इससे बचकर नहीं रह सकते, बचकर रहना भी नहीं चाहिए। इसलिए ज़रूरी है कि राजनीति को बेहतर बनाने की कोशिश लगातार होती रहे। इस कोशिश का बड़ा दायित्व हमारे राजनेताओं पर है। उनकी कथनी-करनी, दोनों पर जनता की नज़र रहती है। इसलिए दोनों में उनसे स्वच्छता, उच्चता की अपेक्षा रहती है। दुर्भाग्य से, यह अपेक्षा पूरी होती नहीं दिखती। ऐसा लग रहा है कि जैसे हमारी राजनीति में वाणी पर किसी प्रकार के नियत्रंण की आवश्यकता हमारा नेतृत्व नहीं समझता। यह खतरनाक स्थिति है। बदलनी चाहिए यह स्थिति। आज तो हालत यह है कि देश का एक मुख्यमंत्री दूसरे मुख्यमंत्री को 'आतंकवादी' कह रहा है और कहने वाले की पार्टी के बड़े नेता उसका बचाव करते हैं।

बाहरी-भीतरी चुनौतियों से मुकाबिल अकाली दल

हमीर सिंह

देश की दूसरे नंबर की पुरानी पार्टी शिरोमणि अकाली दल अपनी शताब्दी मनाने जा रही है। इसके साथ ही अकाली दल सियासी, नैतिक और नेतृत्व के संकट से भी जूझ रहा है। इसे अंदरूनी और बाहरी दोनों तरह की समस्याओं से भी जूझना पड़ रहा है। वर्ष 1996 के लोकसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी को बिना शर्त समर्थन देने वाला अकाली दल अकेली पार्टी थी। दोनों दलों के सबंधों को सियासत से ज्यादा भाईचारे और समुदायों की सांझ के तौर पर ज्यादा पेश किया जाता रहा है। एक लंबे समय तक एक तरह का समझौता रहा कि अकाली दल भाजपा के साथ बिना शर्त रहेगा और पंजाब में अकाली दल बड़े भाई के रूप में रहेगा और भाजपा उसका समर्थन करती रहेगी। लेकिन 2014 के बाद देश की सियासत में आए बदलाव का असर अकाली-भाजपा सबंधों पर पड़ना भी शुरू हो गया है। खासतौर पर भारतीय जनता पार्टी को लोकसभा चुनाव में दूसरी बार स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद पंजाब भाजपा के नेता राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनाने की बातें करने लगे हैं। जमीन से जुड़े नेता भी अकाली दल और भाजपा के बीच पंजाब में सीटों का समान बंटवारा होने की बात करते हैं। अब तक कुल 117 विधानसभा सीटों में से भाजपा 23 और अकाली दल शेष 94 सीटों पर चुनाव लड़ता आया है। भाजपा के इस रुख से अकाली दल के नेता भी परेशान हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव में दोनों दलों के बीच अच्छा खासा मनमुटाव रहा और चुनाव के दौरान एक-दूसरे के खिलाफ जम कर भड़ास निकाली गई। दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरा मौका था जब अकाली दल चार सीटों की मांग कर रहा था परन्तु भाजपा ने एक भी सीट देने से इनकार कर दिया। अकाली दल ने इसको सैद्धांतिक मामला बनाने का प्रयास किया। दिल्ली में प्रेस कानफ्रेंस करके कहा गया कि राष्ट्रीय नागरिकता संशोधन कानून पर अकाली दल द्वारा मुसलमानों को भी नागरिकता के मामले में शामिल करने की मांग से भाजपा ख़फ़ा है परन्तु अकाली दल अपना स्टैंड छोड़ने को तैयार नहीं हुआ। अकाली दल ने दिल्ली चुनाव न लड़ने का ऐलान कर दिया और किस दल का समर्थन करना है, इसका अधिकार दिल्ली इकाई के सुपुर्द कर दिया गया। ऐसे में अकाली दल से निकाले गए और अपनी अलग जागो पार्टी बना चुके दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष जेपी नड्डा की मौजूदगी में भाजपा का समर्थन करने का ऐलान क्या किया कि अकाली दल की नींद हराम हो गई।

2020 का भारत

बीस बीस का भारत अपना
सभी मुल्को पर तीस हो
ना पड़े जरूरत किसी की
ऐसी प्रगति चहुँ ओर हो।
अपने पराये का भेद मिटे
सभी के हृदय समरूप हो
अनेकता में एकता की
पुनः ऐसे ही गठजोड़ हो।
एक भारत श्रेष्ठ भारत
नारा सबके अनुरूप हो
फले फूले बढे सभी
ऐसा नेक प्रारूप हो।
जन जन की आकांक्षा

ना बढ़ पाए महत्वाकांक्षा
जिन पर लगाम लगाने की
विधि प्रणाली मजबूत हो।
बल बुद्धि विकास भी
रफ्तार दे रहे सरकार की
जन आकांक्षाओं के लिए
ऐसी नीति प्रणाली विकसित हो।
जब जब आए विपदा
सभी को मदद की चाहत जगे
बने बीस बीस का भारत
सभी मुल्को पर तीस लगे।

आशुतोष
पटना बिहार

राजेश शर्मा नेशनल अवार्ड से सम्मानित

भवानीमंडी (अर्पित गुप्ता) राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूलिया (झालावाड) के शिक्षक को अमृतसर (पंजाब) में नवोदय क्रांति परिवार भारत द्वारा नेशनल अकेडमी ऑफ फाइन आर्ट्स ऑडिटोरियम में गवर्नमेंट टीचर्स ऑफ इंडिया के लिए आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन में नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। शर्मा ने बताया कि उन्हें यह सम्मान किंग्समीड इंग्लैंड की चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट रति चांदना, गुरूस्थानम टेक्नोक्टिस्ट आईएओ यूएसए इवाल्यूशन कमिश्नर डॉ. योगेश चांदना, अंतर्राष्ट्रीय आदर्श सेवा संस्कार अफ्रीका फाउंडर डॉ. सोदान सिंह तरार, नवोदय क्रांति परिवार संस्थापक संदीप ढिल्लों, पंजाब के शिक्षाधिकारी तरणहार डीईओ कंवलजीत सिंह, अमृतसर डीईओ सलविन्दर सिंह, डिप्टी डीईओ रेखा महाजन, अजय भलारा के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। यह सम्मान भारत की सरकारी शिक्षा में एक्सीलेंट परफोर्मेंस, सरकारी शिक्षा की बेहतरी को लेकर कार्य करने पर दिया गया है। उन्होंने इस अधिवेशन में देशभर के सभी राज्यों से पहुंचने वाले नवाचारी शिक्षकों के बीच अपने नवाचार, शैक्षणिक कार्य, उपलब्धियों को प्रस्तुत कर नए उत्साह का संचार किया।

शर्मा को भारत में सरकारी शिक्षा को बढ़ावा देने वाले नवोदय क्रांति परिवार भारत से जुड़कर सरकारी शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में गतिविधि आधारित शिक्षण, शिक्षण अधिगम सामग्री, खेल खेल में शिक्षा, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षण विधियां, प्रवेशोत्सव अभियान, स्मार्ट स्कूल, स्मार्ट क्लास के साथ हिंदी, अंग्रेजी, गणित शिक्षण आदि विषयों पर भी चर्चा की गई। इस समारोह में देशभर के हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, केरल, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, दिल्ली सहित 16 राज्यों के 300 से अधिक बेहतरीन नवाचारी शिक्षकों ने भाग लिया व अपने-अपने रिसर्च व नवाचारों की प्रस्तुतियां दी। समारोह में राजस्थान से 20 से अधिक नवाचारी शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

एक नजर...

अवैध शराब सहित दो गिरफ्तार

भिण्ड,ब्यूरो। देहात थाना पुलिस ने भारौली तिराहा पर एवं फूप पुलिस ने क्षेत्र के ग्राम रानी बिरगवां में अवैध शराब बेच रहे एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार देहात थाना पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना मिली कि क्षेत्र के भारौली तिराहे पर शराब का अवैध रूप से विक्रय किया जा रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गोविंद दुबे पुत्र श्रीकृष्ण दुबे निवासी वार्ड ×0, सुभाष नगर भिण्ड को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी शराब के 19 क्वार्टर जब्त किए गए। पकड़ी गई शराब की कीमत करीब एक हजार रुपए बताई गई है। उधर फूप थाना पुलिस ने ग्राम रानी बिरगवां से अवैध रूप से शराब बेच रहे अंगद पुत्र जगदीश जोशी निवासी ग्राम रानी बिरगवां को पकड़कर उसके कब्जे से उसकी दुकान के बाहर रखे करीब एक हजार रुपए कीमत के 19 क्वार्टर देशी शराब के जब्त किए हैं। संबंधित थाना पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध ×4 आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

असलहा सहित युवक गिरफ्तार

भिण्ड,ब्यूरो। लहार थाना पुलिस ने क्षेत्र के सुन्दरपुरा रोड पर पुलिया के पास से असलहा लेकर घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से अवैध हथियार जब्त कर उसके विरुद्ध कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार लहार पुलिस को शुक्रवार को देर शाम जरिए मुखबिर सूचना मिली कि सुन्दर पुरा रोड पुलिया के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में किसी बारदात की नियत से घूम रहा है। पुलिस बल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान की घेराबंदी कर कल्लू उर्फ नागेन्द्र पुत्र देवेन्द्र सिंह राजपूत निवासी ग्राम खुर्द मिहोना को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से ×15 बोर का एक कट्टा और एक कारतूस जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 24/20 पंजीबद्ध कर लिया है।

युवक ने लगाई फांसी, मौत

भिण्ड,ब्यूरो। बरोही थाना क्षेत्र के ग्राम रायपुरा में एक युवक ने अज्ञात कारणों के चलते अपने ही घर में पंखे पर फांसी का फंदा डालकर स्वयं को फांसी लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के अनुसार सोनू उर्फ सत्यवीर पुत्र लाखन सिंह भदौरिया उम्र ×0 वर्ष निवासी ग्राम रायपुरा ने शनिवार को किन्हीं अज्ञात कारणों के चलते अपने ही घर में स्वयं को फांसी लगा ली। जिससे उसकी मृत्यु हो गई। स्थानीय लागों द्वारा घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच मौके का मुआयना किया और मृतक के शव को नीचे उतार कर अन्तिम परीक्षण के लिए चिकित्सालय पहुंचा दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

चार लोगों के विरुद्ध दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज

भिण्ड,ब्यूरो। अमायन थाना क्षेत्र के ग्राम टकपुरा में निवास कर रहे एक परिवारीजनों पर दहेज प्रताड़ना का मामला सामने आया है। पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार रजनी देवी पत्नी विकाश वर्मा निवासी ग्राम टकपुरा थाना अमायन ने बताया, कि मेरे ससुरालीजन मुझे आए दिन दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करते हैं। मेरे ससुरालीजन ससुर-रमेश सिंह पुत्र हाकिम वर्मा, सास-सुमन पत्नी रमेश वर्मा, देवर-सुभाष पुत्र रमेश, पति-विकाश पुत्र रमेश वर्मा निवासीगण ग्राम टकपुरा मुझे आए दिन दहेज में मोटर साइकिल की मांग करते हैं और जब मैं इसका विरोध करती हूं, तो वो मुझे प्रताड़ित करते हैं और उन्होंने मुझे घर से बाहर निकाल दिया। फरियादी रजनी देवी की रिपोर्ट पर से पुलिस ने उक्त दहेज लोभियों के विरुद्ध धारा 498 ए, भादवि ×/4 दहेज एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

पुलिस ने पकड़ा आरोपी

भिण्ड,ब्यूरो। मेहगांव पुलिसअधीक्षक के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भिंड एवं एसडीओपी बीरेंद्र सिंह तोमर मेहगांव के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत थाना मेहगांव पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक ×17/16 धारा ×76,506,×2× ता.हि. ×(2)(5) एससी/एसटी एक्ट के × साल से फरार चल रहे आरोपी पर पुलिस अधीक्षक भिंड के द्वारा घोषित ×000 का इनामी आरोपी भगवती बाबा पुत्र पहलू उर्फ पहलवान गोले उम्र 62 साल निवासी देवरा को गिरफ्तार कर न्यायलय में पेश कर जेल भेज दिया। आरोपी को गिरफ्तार करने में उप.निरक्षक विवेक प्रभात, एएसआई जे एस सिकरवार, एच.सी. रणवीर सिंह, आर पद्म रावत, आर धीरज, आर जितेन्द्र राजावत, आर मायाराम की विशेष भूमिका रही।

शिवपुरी जिला पंचायत के वार्ड नं01 दावेदार प्रत्याशी प्रधुम्न यादव।

रिपोर्टर धीरज ओझा

बैराड़/शिवपुरी जिला पंचायत चुनाव में चुनावी राजनीति के चलते दावेदार अपनी दावेदारी पेश करते नजर आ रहे रहे जिसमें आगामी चुनाव में कई प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमाएगे जिसमें जिला पंचायत शिवपुरी के वार्ड नं 01 से सदस्य पद के लिए प्रधुम्न सिंह यादव भी अपनी किश्मत आजमाएंगे जो कि क्षेत्रीय शिक्षित युवा वर्ग का नेता होने एवं गत दिनों लोगों के साथ हट समस्य में आगे दिखे जिसमें घर में पूर्व से सरपंच पद एवं कई समाज सेवा कार्य किये हैं जिसमें क्षेत्र से युवा की एवं समाज की ओर से अधिक समर्थन दिया जा रहा है और युवा वर्ग में आये दिन सोशल मीडिया पर भी छाए हुए प्रधुम्न की दावेदारी किसी से कम नहीं होती दिख रही बल्कि कुछ लोगोँ ने तो विजय प्राप्त की भी शुभकामनाएं देदी हैं जिससे यहाँ यदि माहौल देखा जाए तो जिला पंचायत शिवपुरी के वार्ड नं 01 चुनाव में इस दौरान युवा वर्ग का प्रत्याशी घोषित होने की उम्मीद जताई जा रही।

दंदरौआधाम में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन

भिण्ड,ब्यूरो। जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल दंदरौआधाम में तीन दिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का कार्यक्रम श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर महंत श्री राम दास जी महाराज के सानिध्य में कराया जा रहा है। जिसमें दूसरे दिन आचार्य बालकृष्ण त्रिवेदी, भैरव दत्त त्रिवेदी वेदाचार्य ग्वालियर द्वारा वेद को पढ़ने की परंपरा को भी सिखायेंगे वेद की व्याख्या भी करते हुए कहा, कि वेद केवल ग्रंथ नहीं है बल्कि स्वयं भगवान नारायण हैं। कार्यक्रम में चारों वेदों का मंगल पाठ भी हुआ। कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पूर्व मंत्री राकेश चौधरी, विधायक प्रवीण पाठक, पं. रामस्वरूप शास्त्री, रा'यसभा सांसद प्रभात झा, सांसद संध्या राय, पूर्व लोकसभा सांसद अनूप मिश्रा, पूर्व विधायक मुकेश चौधरी, केपी सिंह भदोरिया अशोक भारद्वाज, देवेन्द्र नरवरिया, रामानंद उपाध्याय, कैलाश मिश्रा, जयश्रीराम बघेल, महेश गुलवानी, राम हरि शर्मा, भगवानदास सेथिया, आदि मंचाशीन रहे मंच का संचालन रामहरी शर्मा एवं अशोक भारद्वाज ने किया इस अवसर पर पूर्व मंत्री राकेश चौधरी ने कहा कि दंदरौआ सरकार के प्रांगण में वैदिक सम्मेलन होना गौरव की बात है भिंड जिला ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों को भी इस आयोजन का लाभ प्राप्त होगा पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी जी ने कहा कि यह हम सबके लिए बहुत गौरव की बात है कि महाराज जी की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है यह अनुकरणीय है जिससे हमें हमेशा प्रेरणा मिलती रहेगी दंदरौआधाम की महिमा मे मेरा स्वयं का अनुभव है मैं मुंबई से उपचार करा कर दंदरौआधाम आया था और डॉ. हनुमान की परिक्रमा कर महाराज जी से आशीर्वाद लिया और आज मैं आप लोगों के सामने खड़ा हूं।

रा'यसभा सांसद, प्रभात झा ने कहा कि वेद मंत्रो के पाठ से इस क्षेत्र का वातावरण गुंजित होने से वातावरण शुद्ध है वह मनुष्य बहुत भाग्यशाली जो महाराज के चरणों में रह रहे हैं। मैं दुनिया में घूमता हूं कई संतों से मुलाकात होती है लेकिन महाराज जी का सरल स्वभाव बहुत कम संतो में देखने को मिलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी संतों का सम्मान करते हैं। श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर महंत रामदास महाराज ने कहा कि जो मनुष्य जितेन्द्रिय होते है वह नर्म होते है जनता का स्नेह मिलता रहता है जिससे वह मनुष्य दिनों दिन आगे बढ़ाता जाता है।

रोमांचक मुकाबले में लहार ने अटेर एबम मेहगांव ने गोहद को हराया

लहार(अर्पित गुप्ता) सामान्य प्रशासन मंत्री डॉ गोविन्द सिंह के पिता स्व.मथुरा सिंह की स्मृति में इंदिरा गांधी स्टेडियम लहार में 20-20 क्रिकेट टूनामेंट के दूसरे दिन के पहले मैच का शुभारंभ कांग्रेस नेता राजू मॉलया और देवेंद्र त्रिपाठी (ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष लहार)ने खिलाड़ियों से परिचय शुरू किया पहला मैच लहार एबम अटेर के बीच खेला गया।इस मौके पर देवेन्द्र त्रिपाठी और राजू मॉलया द्वारा स्व.मथुरा सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया।इस मौके पर मुशर्रफ़ खान, प्रशांत उर्फ पिंटू त्रिपाठी, रिंकी अग्रवाल, सन्तोष गुर्जर,जानकी समाधिया, आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे वही दूसरा मैच मेहगांव एबम गोहद के बीच खेला गया जिसमें मुख्यातिथि देवेन्द्र त्रिपाठी एबम थाना प्रभारी लहार दिलीप सिंह यादव रहे उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल की शुरुआत कराई इस मौके पर उनके साथ सन्तोष गुर्जर, रिंकी अग्रवाल, शिवप्रताप सिंह,मुसर्रत खान,सलीम खान,जितेंद सिंह,पवन आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

अंपायरों के निर्णय से दर्शक प्रभावित- चम्बल डिविजन के सफल एम्पायर शिव प्रताप सिंह भदौरिया एबम अरविंद यादव के निर्णय से मैच के दर्शक काफी प्रभावित है अपनी सफल एम्पायरिंग के चलते दर्शकों को लुभा कर रखा है उनके साथ चम्बल डिवीजन के स्कोरर विकाश सिंह एबम गोपाल सिंह भदौरिया सफल स्कोर लेखन के लिए लहार में अपना लोहा मनबा चुके है और वही कॉमिन्ट्रेटर ,रामशंकर पाण्डेय (दद्दू) जीतेन्द्र कुशवाहा (जीतू भैया), दीपक सिंह, एब पवन ने अपनी सफल कॉमिन्ट्री से सबका मन मोह लिया है ।

दूसरे दिन का पहला मैच-दूसरे दिन का पहला मैच लहार एबम अटेर टीम के बीच खेला गया। देवेन्द्र त्रिपाठी (ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस लहार) ने लहार के कप्तान आदिल खान एबं अटेर के कप्तान विकाश के बीच टॉस कराया। जिसमे अटेर टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया । लहार की ओर से बल्लेबाजी करते हुए पूरे विकेट खोकर अपने 19.1 ओवरों में 187 रन बनाए ओर अटेर टीम को जीत के लिए 188 रन का लक्ष्य रखा वही अटेर टीम ने अपनी पारी की धीमी शुरुआत करते हुए 20 ओवर में 141 रन बना पाई और वही लहार की तरफ से बहरीन प्रदर्शन करते हुए कप्तान आदिल खान ने अपनी टीम के लिए 26 रन बनाए ओर 3 विकेट झटके ने ओर मैन ऑफ दी मैच रहे जिन्हें नगर परिषद अध्यक्ष मा0 छक्कुलाल वर्मा जी एबम मा0 किशोर सिंह (पूर्व प्राचार्य) द्वारा मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी प्रदान की गई ।

दूसरे दिन का दूसरा मैच-दूसरे दिन का दूसरा मैच मेहगांव एबम गोहद के बीच खेला गया जिसमें मेहगांव टीम के कप्तान रोहित सिंह एबम गोहद टीम के कप्तान रामू ठाकुर के बीच इस मैच के मुख्यातिथि मा0 रामेंद्र सिंह (ददा) और मा0 छक्कूलाल वर्मा जी (नगर परिषद अध्यक्ष लहार) ने टॉस करबाया जिसमे मेहगांव टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया ओर मेहगांव टीम ने अपनी लड़खड़ाती बल्लेबाजी के चलते 20 ओवर में अपने 8 विकेट खोकर 211 रन बनाए और गोहद टीम को जीत के लिए 212 रन का लक्ष्य दिया । जिसका पीछा करते हुए गोहद की टीम अपनी लड़खड़ाती बल्लेबाजी के चलते 14 ओवर 2 गेंद में अपने टीम के पूरे विकेट खोकर महज 131 रन ही बना पाई और मेहगांव टीम बिजयी घोषित हुए मेहगांव टीम की तरफ से शानदार खेल का प्रदर्शन कर रोहित भदोरिया ने (49 रन) मैन ऑफ दी मैच हासिल किया मैच अतिथि करन सिंह कुशवाह (विकास खंड शिक्षा अधिकारी रौन) ने रोहित को मैन ऑफ दी मैच देकर सम्मानित किया।।

शादी समारोह के दौरान एक युवक को गोली मारी

भिण्ड,ब्यूरो। जिले के अमायन थाना क्षेत्र के ग्राम अंधियारी बड़ी में रामजानकी मंदिर के सामने शादी समारोह के दौरान दो पक्षों में विवाद के चलते एक पक्ष ने गोली चला दी, जिससे दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना शनिवार सुबह करीब 8 बजे की है। ग्वालियर के ठाठीपुर में रहने वाले महेन्द्र चौहान पुत्र अंगद चौहान निवासी बड़ी अंधियारी हाल ठाठीपुर मुरार ग्वालियर के छोटे भाई जितेन्द्र की बीते रोज उनके पैतृक गांव अमायन क्षेत्र के ग्राम अंधियारी बड़ी में शादी थी, शादी में शामिल होने के लिए ग्वालियर से शील नगर बहोड़ापुर में रहने वाला रवि राय पुत्र जसवंत राय उम्र ×4 वर्ष निवासी शील नगर बहोड़ापुर ग्वालियर अपने दोस्तों के साथ आया था, इसी शादी में विनय नगर में रहने वाला अभिमन्य पुत्र ओमप्रकाश राय निवासी रामदास घाटी लश्कर ग्वालियर, देवेन्द्र राजपूत, गौरव कोली, बल्लू कुशवाह निवासीगण ग्वालियर के साथ में आया हुआ था, इसी दौरान रवि और अभिमन्यु समारोह में खाना खा रहे थे, इसी दौरान विवाद होने लगा और अभिमन्यु ने रवि को गोली मार दी और उसकी मौत हो गई। थाना पुलिस ने अभिमन्यु, देवेन्द्र राजपूत, गौरव कोली, बल्लू कुशवाह के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

उत्कृष्ट पुलिसिंग के लिए भारौली थानेदार सम्मानित

भिण्ड,ब्यूरो। जिले के भारौली थाना प्रभारी उप निरीक्षक विनोद छावई को उत्कृष्ट पुलिसिंग के लिए केएफ रुस्तमजी पुरस्कार वर्ष 2018-19 के लिए चयनित किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार के लिए प्रदेश से तीन दर्जन पुलिस अधिकारियों को चयनित किया गया, इनमें भिण्ड जिले से छावई का नाम शामिल किया गया है।

कर्तव्यनिष्ठा के लिए आरक्षक सम्मानित-ट्रेफिक पुलिस में पदस्थ आरक्षक दीपेन्द्र जादौन जो कि वर्तमान में लहार चौराहे पर अपनी ड्यूटी दे रहे हैं। एसपी रूडोल्फ अल्वारेस रोजाना इसी मार्ग से ऑफिस जाते-आते हैं। उनकी निगाह सतत् ड्यूटीकर रहे आरक्षक दीपेन्द्र पर पड़ी तो उन्होंने उनका बेच नम्बर नोट कर लिया। उनकी ड्यूटी से संतुष्ट होकर पुलिस अधीक्षक ने आरक्षक को 500 रुपए नगद इनाम देकर सम्मानित किया। बात 500 रुपए की नहीं वल्कि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा छोटे कर्मचारियों को समय-समय पर सम्मानित करने की है।

बैराड़ में प्रधानमंत्री आवास योजना सपना बनी हितग्राहियों को

रिपोर्टर धीरज ओझा

बैराड़/नगर परिषद बैराड़ में केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई प्रधानमंत्री आवास योजना आज लोगों का केवल सपना बन कर रह गई जिसकी जमीनी हकीकत जानी तो कई लोगों ने बताया कि हमारा पुराना घर तुड़वा दिया है नए घर के चक्कर में लेकिन पूरी क़िस्त आज तक मिली और हमे इससे काफी परेशानी का सामना होता हैं यहाँ पर यदि बात की जाए तो केंद्र सरकार योजना में प्रगति लाने की कई बार आदेश जारी कर चुकी लेकिन सब आदेश अधिकारियों ने हवा में उड़ा दिए लेकिन यहाँ यदि भृष्टाचार की बात की जाए तो अपात्र लोगों को आवास योजना जैसी कई फायदे मन्द योजनाओ का लाभ दिलवा चुके है लेकिन इसकी सूचना कई बार स्थानीय पत्रकारों समाज सेवियों द्वारा यह मामला उठाया तो जाता हैं लेकिन कार्यवाही नहीं होती और जाँच का हवाला दे दिया जाता हैं।लेकिन इसका खामियाजा पात्र हितग्राहियों को भुगतना पड़ रहा है जो कि अधूरे पड़े भवनों का साढ़े तीन वर्ष में ग्रह प्रवेश नहीं कर पाए इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार का 2022 तक सबके लिए आवास देने का वादा पूरा नहीं हो सकता क्योंकि 2018-19 में निकाय द्वारा 1140 हितग्राहियों की डीपीआर तैयार कर कलेक्टर अनुमोदन के लिए भेजी वही डीपीआर आज अधिकारियों ने ठंडे बस्ते में दवा दी जिससे हितग्राहियों को सरकार की योजना का लाभ मिलना मुश्किल हो गया है ।

जनपद न्यायालय स्थित केंद्रीय सभागार में राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ आयोजन

एटा। शनिवार को जनपद न्यायालय स्थित केंद्रीय सभागार में राष्ट्रीय लोक अदालत का भव्य आयोजन किया गया। लोक अदालत का शुभारंभ माननीय जनपद न्यायाधीश श्रीमती रेनू अग्रवाल द्वारा विधिवत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश निर्देश दिए कि आम जनमानस को। बेहतर सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से। सुलह समझौते के आधार पर प्रकरणों का निस्तारण लोक अदालत में किया जा रहा है। जनपद न्यायालय में नए मुकदमे काफी आने के कारण छोटे प्रकरणों को लोक अदालत हेतु चिन्हित किया जाता है प्रयास है की जनता के अधिक से अधिक प्रकरणों का लोक अदालत के माध्यम से सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण कराया जाए। डीएम सुखलाल भारती ने कहा कि* बाद कार्यों हेतु। उनके वादों के निस्तारण का लोक अदालत सबसे अच्छा एवं सत्ता माध्यम है। लोक अदालत के माध्यम से जनता को सुलभ न्याय दिलाने के बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने अपील की कि विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन तहसील स्तर पर भी किया जाए जिससे तहसील क्षेत्र के ग्रामों में रहने वाली आम जनता को भी इस राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ मिल सके और वे अपने वादों का अधिक से अधिक निस्तारण करा सकें। लोक अदालत के माध्यम से न्यायालय, बैंक, भारत संचार निगम लिमिटेड, नगरपालिका, सिंचाई, चकबंदी एवं विभिन्न प्रकार के लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया जाता है। लोक अदालत जनता की अदालत है इसलिए जनता को न्याय दिलाने हेतु बेहतर प्रयास किए जाएं। एसएसपी सुनील कुमार सिंह ने कहा कि जन जागरूकता के माध्यम से ग्रामीण जनता को भी लोक अदालत की जानकारी दी जाए जिससे वे इधर-उधर ना भटक कर अपने मामलों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से सुलह समझौते के आधार पर करा सकें। इस दौरान न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, भारी संख्या में वादकारी आदि मौजूद रहे।

जिला न्यायालय में नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन

ग्वालियर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, उच्चतम न्यायालय नईदिल्ली के निर्देशानुसार माननीय जिला न्यायाधीश/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दीपक कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में शनिवार 8 फरवरी 2020 को नेशनल लोक अदालत का जिला न्यायालय ग्वालियर, डबरा, भितरवार एवं कुटुम्ब न्यायालय ग्वालियर में एक साथ आयोजन किया गया।

उक्त नेशनल लोक अदालत वर्ष 2020 की प्रथम लोक अदालत थी, जो कि निराकृत प्रकरणों एवं लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या तथा अवार्ड राशि की दृष्टि से सफल लोक अदालत रही। इस वर्ष की प्रथम लोक अदालत में ऐसे कई मामलों का निराकरण हुआ है जिन प्रकरणों के निराकरण में कई साल लगने की संभावना थी। उक्त लोक अदालत में कुल 9 करोड़ 71 लाख 60 हजार 399 की वसूली व अवार्ड पारित कर पक्षकारों को लाभान्वित किया गया।

लोक अदालत में प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में नगर निगम ग्वालियर को 59,37,674 रूपए की रिकवरी (जिसमें जल कर एवं सम्पत्ति कर भी सम्मिलित हैं) हुई तथा कुल 1729 मामले निराकृत हुए। इसी प्रकार विद्युत विभाग से संबंधित 24,64,067 रूपए की रिकवरी तथा 185 प्रकरण निराकृत हुए। इसके अतिरिक्त एनआई एक्ट-04, बैंकों के रिकवरी प्रकरण - 133 एवं अन्य प्रकार के 767 प्रकरणों सहित कुल 2826 प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिसमें 2,19,59,891 रूपए की रिकवरी हुई तथा 1322 व्यक्ति लाभान्वित हुए। नेशनल लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति के आधार पर मोटर दुर्घटना दावा-100, एनआई एक्ट-175, आपराधिक प्रकरण-58, वैवाहिक प्रकरण-25, श्रम प्रकरण-09, सिविल प्रकरण-41, विद्युत संबंधी प्रकरण-06 एवं अन्य प्रकरण-61 इस प्रकार कुल 508 प्रकरणों का निराकरण किया गया। मोटन दुर्घटना दावा के मामलों में 2 करोड़ 12 लाख 69 हजार रूपए का अवार्ड पारित किया गया। चैक बाउंस के मामलों में 3 करोड़ 95 लाख 9 हजार 524 रूपए, आपराधिक प्रकरणों में 80 हजार 91 रूपए, श्रम मामलों में 41 लाख 7 हजार 160 रूपए, सिविल प्रकरणों में 45 लाख 72 हजार 40 रूपए, विद्युत संबंधी मामलों में 16 लाख 42 हजार 708 रूपए, वाटर बिल संबंधी मामलों में 5 लाख 85 हजार 164 रूपए एवं अन्य प्रकार के प्रकरणों में 34 लाख 34 हजार 821 रूपए सहित कुल 7,52,00,508 रूपए का अवार्ड पारित किया गया, जिनमें 464 व्यक्ति लाभान्वित हुए।

जन उत्थान न्यास ने ग्यारह परिवारों को दी आर्थिक सहायता

ग्वालियर। गरीबों की मदद करने वाली षहर की सक्रिय सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास की ओर से दस परिवारों को 5-5 हजार रूपये की एवं एक परिवार को 10 हजार रूपये की पुत्री के विवाह के लिए आर्थिक सहायता न्यास के अध्यक्ष, वरिश्ठ भाजपा नेता एवं पार्शद डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने ललितपुर कॉलोनी कार्यालय में प्रदान की। जन उत्थान न्यास द्वारा नारायण प्रसाद रजक निवासी नहरवाली माता रोड़ नाकाचन्द्रवदनी, दर्षनलाल भंवर करोसिया निवासी हरिदर्षन स्कूल के पीछे नाकाचन्द्रवदनी, श्रीमती नर्मदा देवी निवासी गली न. 2 नाकाचन्द्रवदनी, सूरज प्रजापति निवासी गड्डेवाला मोहल्ला नाकाचन्द्रवदनी, संजय कुषवाह निवासी ओफे की बगिया रानीपुरा नाकाचन्द्रवदनी, बैजनाथ एसैया निवासी गली न. 1 गड्डावाला मोहल्ला नाकाचन्द्रवदनी, रामस्वरूप सिंह चौधरी निवासी बघेल छात्रावास के पास नाकाचन्द्रवदनी, किषोर कुषवाह निवासी नहर वाली माता रोड़ नाकाचन्द्रवदनी, मुन्नालाल पाल निवासी मैनावाली गली छुटमुल की बजरिया लोहिया बाजार, श्रीमती मीरा रजक निवासी देवनगर कॉलोनी, नाकाचन्द्रवदनी को पुत्री के विवाह हेतु 5-5 हजार रूपये की आर्थिक सहायता एवं मंगलराम सेन निवासी नाकाचन्द्रवदनी, को पुत्री के विवाह के लिए 10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज न्यास कार्यालय ललितपुर कॉलोनी में प्रदान की। आगामी 9 फरवरी को इन ग्यारह परिवारों में पुत्री का विवाह है एवं इन परिवारों की आर्थिक स्थिति भी ठीक नही है। इन ग्यारह परिवारों ने आर्थिक मदद के लिए न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार से मिले और अपनी परेषानी से अवगत कराया। डॉ. सिकरवार ने तुरन्त ही ग्यारह परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की। आर्थिक सहायता प्रदान करते हुये डॉ. सिकरवार ने कहा कि आपके लिए हरसंभव मदद न्यास द्वारा की जायेगी। डॉ. सिकरवार ने कहा कि न्यास का हर संभव प्रयास रहता है कि गरीब, पीडित, षोशित वर्ग की भलाई के लिए अग्रणी भूमिका निभाई जाये और उसमें न्यास भी सफल रहा है। जब भी इन वर्गों को चाहे पारिवारिक विवाह का कार्यक्रम हो, चाहे बीमार पीडित हो सभी वर्गों का सहयोग किया जा रहा है। हमारी संस्था गरीबों की भलाई करने में कभी पीछे नहीं रहती है।

थाना बहोडापुर पुलिस ने पोस्को एक्ट के प्रकरण में फरार चल रहे 05 हजार रूपये केईनामी फरारी बदमाष को किया गिरफ्तार

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री नवनीत भसीन,भापुसे के निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में महिला संबंधी अपराधों के त्वरित निकाल एंव फरारी ईनामी बदमाषोंकी धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकशहर-पष्चिम श्री सत्येन्द्र सिंह तोमर एंव नगर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री समीर सोरभ,भापुसेने अपने अधीनस्थ सभी थाना प्रभारियों को महिला संबंधी अपराधों में फरार आरोपियों एंव ईनामी बदमाषों की धरपकड़ हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के निर्देष दिये।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देषों के परिपालन में दिनांक 08.02.2020 को थाना प्रभारी बहोडापुर उनि0 इंदर सिंह राठौर को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि थाना बहोडापुर के पोस्को एक्ट के प्रकरण में फरार चल रहे 05 हजार रूपये के ईनामी बदमाष सत्येन्द्र

गुप्ता को हरिषंकरपुरम के आस-पास घूमतें देखा गया है। उक्त सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुये थाना प्रभारी बहोडापुर ने मय थाना बल के मुखबिर के बताये स्थान की घेराबंदी कर ईनामी बदमाष सतेन्द्र गुप्ता पुत्र रामस्वरूप गुप्ता निवासी ग्राम बडौखरी तहसील मिहोना जिला भिंड हाल निवासी मंडी रोड लहार जिला भिंडको धरदबोचा।गिरफ्तार बदमाष पर थाना बहोडापुर में प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर धटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। ज्ञात हो कि दिनांक 18.06.19 को फरियादिया द्वारा थाना बहोडापुर में बदमाष सतेन्द्र गुप्ता एंव उसके साथियों द्वारा फरियादिया से जबरन देह व्यापार कराने की षिकायत दर्ज कराई थी।षिकायत जॉच के उपरांत थाना बहोडापुर में फरियादिया द्वारा बताये गये लोगों के विरूद्ध पोस्को एक्ट एंव अनेतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर आरोपियों की तलाष की जा रही थी।

पति ने ससुराल मे की फायरिंग, पत्नी ने कराया मामला दर्ज

ग्वालियर। झांसी रोड थाना क्षेत्र के हरिशंकरपुरम में पति के मायके जाने से नाराज युवक ससुराल पहुंच गया और गुस्से में आकर पिस्टल से फायर कर दिए। इस घटना से नाराज पत्नी ने पुलिस बुला ली और पति के खिलाफ मामला दर्ज करा दिया। झांसीरोड़ थाना पुलिस के अनुसार कुम्हरपुरा मुरार में रहने वाली ऋतु पचैरी अपने मायके हरिशंकर पुरम आई थी। रात को शराब के नशे में उसका पति दिवाकर पचैरी पिस्टल लेकर आ धमका। उसने आव न देखा ताव और ससुराल के बाहर पिस्टल से फायरिंग कर दी और ससुराल पक्ष के लोगों पर गाली गलौच भी कर दी। परेशान ऋतु ने पुलिस को कॉल कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना स्थल पर पड़ताल की। इसके बाद ऋतु की शिकायत पर दिवाकर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

विधायक गोयल के साथ पुलिस अधीक्षक भसीन ने किया विधानसभा क्षेत्र का दौरा

जिला अस्पताल मुरार में पुलिस सहायता केन्द्र एवं कुम्हरपुरा पर बनेगा अजाक्स का थाना एवं आवास

ग्वालियर । विधायक श्री मुन्नालाल गोयल के साथ पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन ने शनिवार को विधानसभा क्षेत्र में कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिये नया पुलिस थाना, पुलिस चैकी, पुलिस सहायता केन्द्र एवं मुरार थाने के पास बड़ा पार्किंग एवं आवासीय कॉम्पलेक्स बनाये जाने को लेकर भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान विधायक श्री मुन्नालाल गोयल एवं पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन सबसे पहले जिला अस्पताल पहुंचे। यहां पर जिला अस्पताल के गेट के पास बने बड़ा हॉल एवं अटैच भूमि पर पुलिस सहायता केन्द्र बनाये जाने एवं अस्पताल के अंदर भी पुलिस सहायता केन्द्र का एक केबिन बनाये जाने का निर्णय लिया गया ।जिससे

अस्पताल परिसर में होने वाली अवांछनीय गतिविधियों एवं असामाजिक तत्वों के जमावड़े पर अंकुश लगाया जा सके ।

इसके बाद विधायक मुरार थाने के बगल से 46ग130 फिट भूमि पर पहुंचे। जहां पर लम्बे समय से पुरानी जब्त की हुई गाड़ियां कबाड़े के रूप में भरी हुई हैं। इसे खाली कराकर इसमें ग्राउण्ड फ्लोर पर पार्किंग एवं उसके उपर थाना टी.आई एवं पुलिस स्टाफ के लिये चार मंजिला आवासीय परिसर का निर्माण कराये जाने का निर्णय लिया गया । इसके साथ ही विधायक एवं पुलिस अधीक्षक बारादरी चैराहे पर पहुंचे। यहां पर पुरानी पुलिस चैकी को तोड़कर ट्रेफिक पुलिस सहायता केन्द्र बनाये जाने एवं मुरार ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय के पीछे पड़ी पी.डब्ल्यू डी की भूमि पर सदर बाजार के व्यापारियों की सुरक्षा के लिये पुलिस चौकी निर्माण किये जाने का निर्णय लिया गया । इसके पश्चात विधायक एवं पुलिस अधीक्षक कुम्हरपुरा पहुंचे। जहां पर 1930 का शासकीय पुराना बना हुआ भवन जीर्णशीर्ण हालत में है। इसे तोड़कर यहां पर अजाक्स का थाना एवं थाने के ऊपरी तल पर आवास निर्माण किये जाने का निर्णय लिया गया । इसके बाद विधायक श्री गोयल एवं पुलिस अधीक्षक श्री भसीन काल्पी स्थित डी.एस.पी. अजाक्स कार्यालय पहुंचे। यहां भी 1930 के बने पुराने भवन को तोड़कर यहां पर अजाक्स डी.एस.पी का ऑफिस एवं उपरी तल पर आवास बनाये जाने का निर्णय लिया गया ।

निर्धारित अवधि के पश्चात डीजे का संचालन पाए जाने पर पुलिस प्रकरण कायम होगा

शांति एवं सदभाव का माहौल बनाने की अपील, जिला शांति समिति की बैठक सम्पन्न

ग्वालियर। जिले में अमन और शांति का माहौल बना रहे, यह जवाबदारी शहर के हर नागरिक की है। जिला शांति समिति ने शांति और सदभाव की अपील की है। कलेक्टर श्री अनुराग चौधरी की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला शांति समिति की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन, संत कृपाल सिंह, साडा के पूर्व अध्यक्ष श्री राकेश जादौन, समिति के सदस्य सर्वश्री भूपेन्द्र जैन, विनायक गुप्ता, कमल माखीजानी, राजू फ्रांसिस, गोडियाले सहित विभागीय अधिकारियों में एडीएम श्री टी एन सिंह, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य, एडिशनल एसपी श्री सतेन्द्र तोमर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में गत

दिनों शहर में कुछ विवाद के कारण शहर में अनर्गल चर्चाओं के दृष्टिगत जिला शांति समिति की बैठक आहुत की गई। बैठक में कलेक्टर श्री अनुराग चौधरी ने कहा कि शहर में शांति और सदभाव का माहौल बना रहे, यह हम सबकी जवाबदारी है। शांति समिति के सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में शांति और सदभाव माहौल बना रहे, इसके लिए कार्य करते रहें। बैठक में सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया कि हाईकोर्ट के निर्देश के पालन में जारी दिशा-निर्देशों में शादी समारोह एवं अन्य उत्सव समारोह में डीजे का संचालन रात्रि 10.30 बजे तक ही किया जाना है। रात्रि 10.30 बजे के पश्चात किसी भी समारोह में डीजे के संचालन की अनुमति नहीं रहेगी। निर्धारित अवधि के पश्चात भी अगर डीजे का संचालन पाया गया तो डीजे संचालक, मैरिज गार्डन संचालक तथा आयोजन करने वाले परिवार के विरूद्ध पुलिस प्रकरण कायम किया जायेगा। पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन ने बैठक में कहा कि शहर में अगर कोई घटना घटी है तो शासन के नियमानुसार पुलिस द्वारा कार्रवाई की जायेगी। किसी भी घटना को लेकर आरोप-प्रत्यारोप आपस में नहीं लगाना चाहिए। कानून के दायरे में जो कार्रवाई अपेक्षित है पुलिस वह कार्रवाई अवश्य करेगी। उन्होंने शांति समिति की बैठक में यह भी अपील की कि सोशल मीडिया, वॉट्सएप, फेसबुक पर भी आपत्तिजनक पोस्ट नहीं की जाना चाहिए। समिति के सभी लोग अपने-अपने स्तर से भी लोगों को सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट न करने की अपील करें।

सडकों को दुरुस्त करने की जा रही है पेंच रिपेयरिंग

ग्वालियर। सुगम यातायात के लिए विभिन्न सडकों को ठीक करने के लिए निगम की पेंच रिपेयरिंग शाखा द्वारा पेंचरिपेयरिंग का अभियान लगातार चलाया जा रहा है। जिसके तहत शहर की विभिन्न सडकों पर पेंच रिपेयरिंग की गई। जिसमें इंदरगंज क्षेत्र, नदीगेट रोड, मोतीमहल रोड सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर पेंच रिपेयरिंग का कार्य किया गया।

पुलिस ने शराब तस्कर पकड़ा

ग्वालियर। हजीरा थाना पुलिस ने शराब तस्कर को एक्टिवा के साथ अवैध खेप के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को इत्तला मिली थी कि भीम उर्फ सोनू एक्टिवा एमपी07 एससी 9163 पर 3 पेटी शराब लेकर जा रहा है। पुलिस ने उसे बाइक व शराब पेटी समेत दबोच लिया।

वैश महासम्मेलन मध्य प्रदेश युवा इकाई ग्वालियर द्वारा इंडस हॉस्पिटल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

ग्वालियर

यह शिविर वैश्य महासम्मेलन के संस्थापक आदरणीय नन्ना जी की स्मृति में हर साल की भांति इस साल भी किया गया। आदरणीय श्री मुकेश अग्रवाल , श्री अनिल जैन, श्री महेश गर्ग, श्री रामकुमार गुप्ता प्रिंस प्रदेश अध्यक्ष, श्री अमित जैन, श्री विवेक गुप्ता, द्वारा रक्त दान दाताओं का हौसला अफजाई की । शिविर में सुरेन्द्र अग्रवाल, अरूण बंसल, ललित

जैन संभागीय मीडिया प्रभारी, रिचा गुप्ता, ज्योति बंसल, रोहित गुप्ता, विकास गुप्ता, प्रमोद जैन, गोपाल पहारिया, शंशाक रूसिया, विनय जैन, विनय कुचिया, प्रशांत गुप्ता, अंकित गुप्ता, डॉ सतीश गुप्ता वरूण गुप्ता, अनिल गुप्ता उपस्थित हुए, कार्यक्रम का संचालन डॉ रजनीश नीखरा जी द्वारा किया गया ।

बकरे चुराकर भागे चोरों को पुलिस ने दबोचा

ग्वालियर। अपने दोस्तों के साथ पार्टी मनाने के लिए बकरे चोरी करके भागे चोरों को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। पुलिस ने उनकी जांच की तो जिस बाइक से भागे थे वह भी चोरी की निकली। पुलिस ने चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीती रात को डीएसपी एजेके सीवीएस रघुवंशी की रात्रि गश्त थी। इस दौरान उन्होंने कंट्रोल रुम को रात एक बजे सभी हाईवे पर एफआरवी से नाकाबंदी कर के निर्देश दिए। कंट्रोल रुम के प्रधान आरक्षक भागीरथ सिंह ने सभी एफआरवी को चेकिंग का पॉइंट दिया। इस दौरान सिरौल हाईवे पर दो संदेही ग्रामीणों बाइक पर जाते

दिखे। जिन्हें देख एफआरवी 22 उनके पीछे लग गई। इसके बाद जीएसटी भवन के सामने बाइक सवारों को दबोच लिया। उनके पास दो बकरे मिले। चोरों ने अपना नाम निरंजन खटीक नाका चंद्रवनी और सोनू गुर्जर मौ भिंड बताया। दोनों अपने दोस्तो को पार्टी देने के लिए बकरे चोरी करके ले जा रहे थे। उनके पास से मिली बाइक भी चोरी की निकली जो उन्होंने डबरा से चोरी की थी। धरपकड़ करने वालों में एफआरवी के आरक्षक दिलीप कुशवाह, नरेन्द्र कुशवाह और चालक सौरभ दीक्षित की भूमिका खास रही।

11वीं अखिल भारतीय राजमाता सिंधिया स्वर्णकप फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

ग्वालियर। 11वीं अखिल भारतीय राजमाता सिंधिया स्वर्णकप फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ दिनांक 9 फरवरी को दोपहर 2 बजे एल एन आई पी ई के फुटबॉल मैदान पर किया जाएगा। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर उद्घाटन मैच यंग बॉयज छत्तीसगढ़ और ग्वालियर डीएफए के बीच खेला जाएगा। नगर निगम ग्वालियर द्वारा आयोजित 11वीं अखिल भारतीय राजमाता फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 9 फरवरी से एल एन आई पी ई के फुटबॉल मैदान पर किया जा रहा है प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर होगें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक श्री मुन्नालाल गोयल करेंगे। वही एल एन आई पी ई के कुलपति श्री दिलीप दुरेहा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेगें।

संत आशाराम बापू आश्रम में 14 फरवरी को मनाया जायेगा मातृ-पितृ पूजन दिवस

ग्वालियर। संत श्री आशाराम बापू आश्रम में आगामी 14 फरवरी को मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाया जायेगा। यह कार्यक्रम आश्रम तथा विभिन्न स्कूलों में संपन्न होगा। इससे पूर्व कल रविवार नौ फरवरी को वाहन संकीर्तन यात्रा भी निकाली जायेगी। उक्त जानकारी आज पत्रकारों को देते हुए संत श्री आसाराम जी आश्रम के संचालक अनिल भाई ने बताया कि संत श्री आशाराम बापू की प्रेरणा से पिछले कई वर्षों से 14 फरवरी को वेलेन्टाइन डे को मातृ-पितृ पूजन दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होने बताया कि यह कार्यक्रम पूरे देश भर में 450 आश्रमों एवं 1400 समितियों द्वारा एक साथ मनाया जायेगा। उन्होंने बताया कि ग्वालियर में यह कार्यक्रम जहां शिवपुरी लिंक रोड स्थित आश्रम परिसर में धूमधाम से मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस संदेश को घर घर पहुंचाने के

उददेश्य से नौ फरवरी रविवार को दोपहर एक बजे से शहर आधा सैकडा दो एवं चार पहिया वाहनों की बैनरों से सुसज्जित यात्रा निकाली जायेगी। वाहन संकीर्तन यात्रा संत श्री आशाराम बापू आश्रम से शुरू होकर गुडा-गुडी का नाका, अचलेश्वर रोड, महाराज बाडा , बहोडापुर , शिंदे की छावनी, हजीरा, गोले का मंदिर , मुरार ,ठाठीपुर होते हुए वापस आश्रम पर समाप्त होगी।

उन्होंने बताया कि बापू की प्रेरणा से विगत वर्षों से मातृ-पितृ पूजन दिवस 14 फरवरी को देश के संस्कारित नौनिहाल युवा बच्चे माता-पिता का श्रद्धा भाव से पूजन कर माल्यार्पण परिक्रमा मंगल आरती कर आशीर्वाद ग्रहण करेंगे। यही सनातन संस्कृति की परंपरा है। उन्होंने सभी सुधी जनों से 14 फरवरी को मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाने की अपील योग वेदान्त सेवा समिति, महिला उत्थान मंडल , युवा सेवा संघ द्वारा की गई है। इस अवसर पर पत्रकार वार्ता में मीडिया प्रभारी बलवीर सिंह परमार, महेन्द्र सिंह कुशवाह, महिला उत्थान मंडल की निर्मला तोमर, सचिव कल्पना शर्मा, गीता भार्गव , श्रीमती कविता आदि मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कालोनी भिण्ड रोड गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/MPHIN31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-भरत सिंह चौहान। E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333- मोबा.8269307478,